Name of the top 10 countries and total No. of under—5 deaths for the year 1990

Source : (The State of the World Children 923 by UNICEF

(in thousand)

| S.No. | Name of the country | Annual No. of under—5 deaths |
|---|---|---|
| 1 | Mozambique | 208 |
| 2 | Afghanistan | 260 |
| 3 | Angola | 138 |
| 4 | Mali | 134 |
| 5 | Sierra Leone | .52 |
| 6 | Mailaw | 125 |
| 7 | Guineva-Biisau | 10 |
| 8 | Guinea | 70 |
| 9 | Burkina Faso | 97 |
| 10 | Niger | 89 |

**दिल्ली में कालाजार और अतिसार का फैलना**

6!2. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के अनेक इलाकों से मलेरिया, कालाजार, और अतिसार के फैलने के संबध में बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हुई थीं; और

(ख) यदि हां, तो इन बीमारियों का प्रकोप मुख्यत: किन-किन क्षेत्रों में हुआ और सरकार इन बीमारियों का उन्मूलन करने के लिए क्या कदम उठा रही है ?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ) :** (क) और (ख) दिल्ली में कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसियों से प्राप्त सूचना के अनुसार वर्तमान वर्ष के दौरान दिल्ली के विभिन्न भागों में मलेरिया, है जा और जठरांत्रशोथ के कुछ रोगियों की सूचना मिली है जो इस प्रकार है :—

| रोग | रोगियों की संख्या (अनन्तिम) |
|---|---|
| मलेरिया जनवरी–मई, 1992 | 1,472 |
| पी फालसीफेरम मलेरिया | 7 |
| हैजा | 479 |
| जठरांत्रशोथ | 21,767 |

दिल्ली के किसी भाग से देशी काला-आजार के रोगी की सूचना नहीं मिली है। तथापि, दिल्ली के अस्पतालों में इलाज किए जा रहे काला-आजार के रोगी अधिकांशत: बिहार से लाए गए हैं। उपर्युक्त रोगी दिल्ली के विभिन्न इलाकों से सूचित किए गए हैं और किसी भी इलाके में समूहित नहीं है।

इन रोगों की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित विशिष्ट उपाय किए जा रहे हैं :—

**मलेरिया**

1. दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों और झुग्गी क्षेत्रों में सक्रिय निगरानी की जाती है।

2. दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में मलेरिया क्लिनिकों और ज्वर उपचार डिपुओं के माध्यम से परोक्ष रूप से निगरानी की जा रही है।

3. साप्ताहिक अन्तरालों में लार्वा-नाशियों से लार्वा-रोधी उपाय।

4. ग्रामीण क्षेत्रों और झुग्गी क्षेत्रों में कीटनाशी छिड़काव।

5. मलेरिया ग्रस्त घरों के अन्दर और आसपास पायरेथ्रम से केन्द्रिक छिड़काव।

6. जैव-पर्यावरणिक तरीके अर्थात् गैम्बशिया जैसी लार्वाभक्षी मछलियों का प्रयोग।

**अतिसार (हैजा और अठरोत्रशोथ) :**

1. सुभेद्य क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित पेय जल की व्यवस्था ।

2. विभिन्न प्रचार माध्यमों से उपयुक्त स्वास्थ्य शिक्षा का प्रचार-प्रसार ।

3. जल वाहित रोगों की निरंतर अनुवीक्षा और निगरानी ।

4. मलबे को नियमित रूप से हटाना और नालियों की सफाई ।

5. क्लोरीन गोलियों और ओ० आर० एस० पैकेटों का वितरण ।

6. सड़े-गले/कटे हुए फलों और अन्य अस्वास्थ्यकर खाद्य वस्तुओं की बिक्री पर प्रतिबंध ।

**भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के भवन का ढहना**

613. **श्री शिवप्रसाद जनपरिया :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को यह जानकारी है कि जबलपुर में बनाये जा रहे भारतीय आयुविज्ञान अनुसंधान परिषद् के भवन की छत मई, 1992 के पहले हफ्ते में ढह गई ;

(ख) इस भवन की छत के, ढहने के कारण सरकार को कितनी हानि उठानी पड़ी है ;

(ग) क्या सरकार ने भवन के ढह जाने के लिए जिम्मेदार भवन निर्माता ठेकेदार और निरीक्षणकर्ता इंजीनियर के विरुद्ध कोई कार्यवाही की है ;

(घ) यदि हां, तो की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ;

(ङ) इस भवन के बनने में कितना समय लगने की संभावना है और भवन का निर्माण कार्य कब तक पूरा हो जाएगा; और

(च) क्या निर्माणाधीन भवनों और पुलों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने तथा भविष्य में इस कारण से होने वाले जन-धन की हानि को रोकने हेतु संबंधित ठेकेदार और निरीक्षणकर्ता इंजीनियर को दंडित करने के लिए कोई प्रक्रिया अपनायी जायेगी ?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ) :** (क) जबलपुर में निर्माणाधीन भारतीय आयुविज्ञान अनुसंधान परिषद् के भवन की छत का एक भाग दिनांक 11-5-1992 को ढह गया ।

(ख) भवन की छत ढह जाने के कारण सरकार को कोई हानि नहीं हुई है क्योंकि ठेकेदार ने छत के ढह जाने और कार्य को पुनः करने की पूरी जिम्मेदारी भी अपने ऊपर ली है ।

(ग) और (घ) आवश्यक कार्रवाई करने के लिए घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं ।

(ङ) भवन के निर्माण का कार्य दिनांक 5-9-1991 को शुरू किया गया था जिसे 21 महीने अर्थात् जून, 1993 तक पूरा किया जाना निर्धारित था, और इसके निर्धारित तारीख तक पूर्ण हो जाने की संभावना है ।

(च) ऐसे मामलों में कार्रवाई करने के लिए नियमों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा

**Family Welfare Centres in Maharashtra**

614. SHRI VISHWASRAO RAM-RAO PATIL: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) the number of Family Welfare centres at present functioning in Maharashtra; and

(b) the number of persons who had undergone family planning operations during 1991-M?